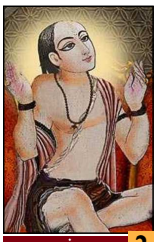

पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 01 | अंकः 4 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, रविवार 22 मई, 2022 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के 'प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए आध्यात्मिकता' अभियान का शुभारम्भ

आध्यात्मिक चिंतन से व्यक्ति जनकल्याण के लिए प्रवृत्त होता है -कलराज मिश्र

जयपुर(संस्कार सृजन) । राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि आत्मा के बारे में अधिकतम जानने का प्रयास करना ही अध्यात्म है। व्यक्ति जब अंतर्मुखी होकर चिन्तन करता है, तो सकारात्मकता का निर्माण होता है और नकारात्मक विचार स्वयं दूर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक चिंतन से व्यक्ति की संकल्प शक्ति बढ़ती है और वह जनकल्याण के लिए प्रवृत्त होता है। राज्यपाल मिश्र यहां राजभवन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजयोग शैक्षिक एवं शोध फाउण्डेशन की ओर से 'प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए आध्यात्मिकता' अभियान के शुभारम्भ अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों का पालन करना ही धर्म का लक्षण है। व्यक्ति को अपने कार्यक्षेत्र पारिवारिक जीवन में नैतिकता और आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलना चाहिए। इससे न केवल उसके स्वयं के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है, बल्कि दूसरों को भी परोक्ष रूप में नैतिक मूल्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करता है। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति की

मूल भावना वसुधैव कुटुम्बकम में निहित है और इसमें पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्य ही नही समस्त जीव-जन्तु, पेड़-पौधों को भी अपने परिवार का भाग माना गया है। इसमें प्राकृतिक संतुलन का अनुपम संदेश समाहित है। कार्यक्रम के आरम्भ में राज्यपाल ने उपस्थितजनों को संविधान की उद्देश्यिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशक राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी आध्यात्मिकता के माध्यम से अपनी आंतरिक ऊर्जा के स्त्रोत को जाग्रत कर अपने कार्य को नए आयाम दे सकते हैं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को ध्यान का नियमित अभ्यास करने का सुझाव दिया ताकि वे प्रेम, करुणा और सहानुभूति के साथ अपने दायित्व का निर्वहन कर सकें। ब्रह्माकुमारी पूनम दीदी, ब्रह्माकुमार हरीश भाई ने प्रशासनिक अधिकारियों और प्रबंधकों में आध्यात्मिक चेतना के जागरण के लिए शुरू किए गए इस अभियान के बारे में जानकारी दी।

एक रूपया व नारियल लेकर बिना दहेज की तुनवा सरपंच ने शादी

लक्ष्मनगढ (संस्कार सृजन) विधानसभा क्षेत्र की नेछवा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत तुनवा के युवा सरपंच देवीलाल रॉयल ने दहेज मुक्त और सादगी से शादी रचाकर समाज सहित आमजन को अनुकरणीय संदेश दिया है। नेछवा पंचायत समिति के सबसे युवा सरपंच देवीलाल का विवाह 19 मई को कोलासर,सुजानगढ़ निवासी बसंती पुत्री गोविंदराम राठी के साथ सम्पन्न हुआ। वैवाहिक रस्मों के दौरान वधु पक्ष ने दूल्हे देवीलाल को टीका की राशि देना चाही जिसे लेने से मना कर दिया व दहेज के रूप में दिए जाने वाले सामान के लिए भी पहले ही इंकार कर दिया था । एक रुपया व नारियल लेकर शादी सम्पन्न करवाई।

श्रम के प्रति निष्ठा जागृत करना ही स्काउट गाइड अभिरुचि शिविर का उद्देश्य- पाण्डे

उदयपुर (संस्कार सृजन) राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मंडल मुख्यालय की ओर से हैप्पी होम स्कूल में 17 मई से हैप्पी होम स्कूल में चल रहे ग्रीष्मकालीन स्काउट गाइड कौशल विकास एवं अभिरुचि शिविर में ट्रेनर शौभना भटनागर कुकिंग,ब्यूटीशियन ओर मेहंदी इग्निशा स्पोकन डेजी निशा मेशी चंचल गोयल सिलाई कढ़ाई बुनाई पेंटिंग इंटीरियर डेकोरेशन, लक्ष्मण सिंह चौहान एरोबिक्स योगा सिविल डिफेंस, स्काउट गाइड स्किल्स सोहनलाल मेघवाल,जय कुमार गांधी व्यक्तित्व निर्माण आदि विषयों का प्रशिक्ष दे रहे हैं। सुरेंद्र कुमार पांडे जिला संगठन आयुक्त स्काउट ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेनर शौभना भटनागर ने आज कुकिंग ब्यूटीशियन प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार के सलाद कटिंग,डेकोरेशन,टेबल डेकोरेशन,

ब्यूटीशियन में आईब्रो,थ्रेडिंग, मेनीक्योर, पेडीक्योर के टिप्स, मेहंदी में राजस्थानी, बोम्बे, अरेबियन,भरमा मेहंदी की डिजाइन बनाने के टिप्स दिए। शिविर का संचालन किशन लाल सालवी प्रधानाचार्य राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सायरा एवं प्रशिक्षण एवं संचालन व्यवस्थाओं में प्रेम शंकर सालवी,लक्ष्मण सिंह चौहान, जय कुमार गांधी, सोहन लाल मेघवाल,डेजी निशा मेशी आदि उपस्थिति रहकर सहयोग दे रहे हैं ।

सुरेंद्र कुमार पाण्डे जिला संगठन आयुक्त ने बताया कि शिविर में प्रातः स्वाध्याय कार्यक्रम में योग,आसन,सेवा श्रमदान, स्काउट गाइड स्किल्स, प्राथमिक चिकित्सा, मेडीटेशन,पर्सनैल्टी डलवपमेंट, एंकरिंग आदि की जानकारी दी जा रही है।

गोल्ड मेडलिस्ट रघुवर दयाल माली ने मनाई विवाह की 50 वीं वर्षगांठ

जयपुर (संस्कार सृजन) चौमूं शहर के सामोद रोड नीमड़ी निवासी रघुवर दयाल माली ने अपनी पत्नी कमला देवी के साथ विवाह की 50 वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई । वर्षगांठ के अवसर पर जनप्रतिनिधियों, । जानकारी के लिए आपको बता दें कि रघुवर दयाल माली समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी रहते हैं और भारतीय जीवन बीमा निगम में चेयरमैन क्लब के मेंबर, एमडीआरटी यूएसए और गोल्ड मेडलिस्ट हैं । साथ ही होटल

वेलकम, सैनी ट्रेडिंग कंपनी और रघुवर दयाल गणेश नारायण आदि प्रतिष्ठानों की बागडोर संभालते हैं । इस दौरान महादेव प्रसाद सैनी, रामकिशोर सैनी, कैलाश चंद सैनी, रामलाल सैनी, राकेश सैनी, राजेश सैनी, मुकेश (पिंटू) सैनी, मनोज सैनी, सुशीला सैनी, संरिता सैनी, सुनीता सैनी ,किरण सैनी, लवेश सैनी, यमन सैनी ,नवीन सैनी, लक्ष्य सैनी, देव सैनी, भावना सैनी आदि लोग मौजूद रहे ।

मित्रों ,रिश्तेदारों और परिवारजनों ने सफल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दी । चौमूं विधायक रामलाल शर्मा भी बधाई देने पहुंचे

ब्राह्मण समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन 29 मई को

चौमूं (संस्कार सृजन) ब्राह्मण समाज राजस्थान जयपुर जिला देहात के द्वारा दिनांक 29 मई 2022, रविवार को रॉयल पैलेस गार्डन, स्टेशन रोड, चौमूँ पर आयोजित होने वाले युवक युवती परिचय सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन समाजसेवी डॉ एम एल शर्मा ने किया। इस दौरान डॉ शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम चौमूँ क्षेत्र का पहला कार्यक्रम है इस कार्यक्रम से समाज को नई दिशा मिलेगी। इससे समाज में विवाह संबंधित आ रही परेशानियां भी दूर होगी तथा नए संबंधों को मजबूती मिलेगी । इस दौरान जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी, जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा, जिला कार्यकारी सदस्य कैप्टन श्रीराम शर्मा, गोविंदगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा (देवआनंद) आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

दिव्यांग महेंद्र कुमार यादव बन रहे लोगों का सहारा

जयपुर (संस्कार सृजन) इस मायारुपी संसार में हर कोई किसी से मदद की गुहार लगाता नजर आता है, लेकिन महेंद्र कुमार यादव खुद दिव्यांग होकर भी दूसरों का सहारा बन गए हैं। जी हाँ दिव्यांग महेंद्र कुमार यादव ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के सभी लाभ दिलाने के लिए कटिबद्ध हैं । महेंद्र कुमार यादव लगातार ग्रामीणों को घर-घर जाकर सरकार की योजनाओं के बारे में जागरूक कर रहे हैं और उनको अपनी स्कूटी पर बिठाकर ई मित्र पर लाकर निःस्वार्थ भाव से सेवा भी कर रहे हैं । जैतपुरा निवासी कानाराम जाट का पेंशन के लिए आवेदन करवाया तो कानाराम जाट ने कहा कि मैं कई दिनों से जानकारी के आभाव में इधर उधर चक्कर लगा रहा था लेकिन मेरी पेंशन का आवेदन नहीं हो रहा था तो आज महेंद्र जी मेरे घर पर आए और उन्होंने ई मित्र पर साथ ले जाकर मेरी पेंशन का आवेदन करवाकर प्रिंट मेरे हाथ में सौंपा तो मेरे मन से उनके लिए दुआओं का भाव स्वतः ही उमड़ पड़ा । मेरे पास शब्द नहीं है उनका धन्यवाद देने के लिए । जानकारी के लिए आपको बता दें कि महेंद्र कुमार यादव ग्राम पंचायत जैतपुरा में पंचायत सहायक के पद पर कार्यरत हैं और अब तक 30 ग्रामीणों का पेंशन, 2 पालनहार के लिए आवेदन करवा चुके हैं ।

संपादकीय

अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रहा श्रीलंका

लंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने आखिर अपनी बात सामने रखी। उन पर दबाव स्पष्ट रूप से दिखा। श्रीलंका इस समय अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। वह आर्थिक रूप से बदहाल हो गया है। जनता में भारी आक्रोश है। इसने राजनीतिक अस्थिरता का जोखिम बढ़ाया है। राष्ट्रपति गोटाबाया महीनों तक जनता की नाराजगी को अनदेखा कर कड़े एवं निर्णायक फैसले लेने से हिचकते रहे, किंतु जनता के निरंतर दबाव ने उन्हें अपने खोल से बाहर आने पर मजबूर कर दिया। हालांकि उन्होंने राष्ट्रपति पद से तो इस्तीफा नहीं दिया, लेकिन रानिल विक्रमसिंघे के रूप में नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति अवश्य कर दी है। साथ ही एक युवा मंत्रिमंडल के गठन के अतिरिक्त अपनी शक्तियों पर नियंत्रण संबंधी संवैधानिक सुधारों को लागू करने का वादा भी किया है। उनके बड़े भाई महिंदा राजपक्षे के समर्थकों और सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों में बीते दिनों झड़प हो गई थी। प्रदर्शनकारियों ने महिन्द्रा के आवास को आग के हवाले कर दिया था। दबाव में महिंदा राजपक्षे को न केवल प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा, बल्कि वह इस समय नौसेना के कैंप में शरण लिए हुए हैं। राजपक्षे परिवार श्रीलंकाई जनता के कोप का केंद्र बना हुआ है। गोटाबाया भी शायद ही इससे बच पाएं। हालांकि उन्होंने कुछ विकल्प बचा रखे हैं। अपने संकटग्रस्त देश के भविष्य की खातिर वह कई पक्षों के साथ संवाद में लगे हुए हैं। यह जरूरी है, क्योंकि श्रीलंका अराजकता के कगार पर है और यदि राजनीतिक बिरादरी ने समय रहते कोई समाधान नहीं निकाला तो स्थिति का बद से बदतर होना तय है। वहां बिगड़े हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि साल में दूसरी बार आपातकाल लगाना पड़ा है। श्रीलंकाई केंद्रीय बैंक के गवर्नर नंदलाल वीरसिंघे ने आशंका जताई है कि अर्थव्यवस्था की स्थिति इतनी खराब हो सकती है कि उसकी भरपाई संभव नहीं होगी। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए उन्होंने कहा है कि जल्द ही नई सरकार गठित की जाए और यदि दो हफ्तों में राजनीतिक स्थिरता नहीं आती तो बड़ी मुश्किल होगी।

श्री शिरडी साई मंदिर में परिजनों की याद में भेंट की सीमेंटेड कुर्सी

जयपुर (संस्कार सृजन) ईटावा भोपजी स्थित श्री शिरडी साई मंदिर में स्वर्गीय रामस्वरूप कामदार की पुण्य स्मृति में उनकी धर्मपत्नी शकुंतला देवी द्वारा मंदिर परिसर में बैठने हेतु सीमेंटेड कुर्सी भेंट की । मंदिर महंत रिटायर्ड कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत ने परिजनों का आभार जताया और कहा कि ऐसे कार्य कर पुण्य आत्माओं को शांति प्रदान कर सकते हैं ।

मन को झकझोर देने वाली कहानियों का संग्रह है 'एक थी महुआ'

लेखिका व कथाकार
सविता वर्मा ग़ज़ल

(पुस्तक समीक्षा)
पुस्तक -'एक थी महुआ'
पृष्ठ-128
मूल्य-150 रुपए

समीक्षक - रश्मि 'लहर' श्रीवास्तव - लखनऊ

इक्कीस अविस्मरणीय कहानियों का अनोखा संग्रह- एक थी महुआ निस्संदेह मन को झकझोर देता है । एक तरफ कहानियाँ मनोवैज्ञानिक रूप से हर समस्या को समाधान की तरफ ले जाती हुई दिखती हैं, तो दूसरी तरफ कहानियाँ अपने पात्रों के माध्यम से समाज को एक संदेश भी देती हैं । किसी भी कहानी की समीक्षा इसके तत्वों के आधार पर की जाती है । कहानी के मुख्यतः छह तत्व होते हैं कथानक, पात्र, संवाद, देशकाल, उद्देश्य तथा भाषा शैली । यदि हम पुस्तक एक थी महुआ को पढ़ना प्रारम्भ करते हैं, तो इसकी हर कहानी स्वयं में पूर्ण है। सारे तत्व प्रभावशाली रूप से कहानी को सुदृढ़ बनाने में सफल लगते हैं । उदाहरणस्वरूप पहली कहानी 'सतरंगी किरणें' में ही देखिए- पहली पंक्ति ही रोचकता से भरपूर श्यामबाबू के दिमाग का पारा आज सातवें आसमान पर था । पाठक ये पढ़ते ही कहानी को पूरा पढ़ने का लोभ त्याग नहीं पाता। इसी प्रकार पात्रों की दृष्टि से भी श्यामबाबू, रमा तथा सावित्री देवी, नरेंद्र, माँ इतने सशक्त रूप से अपने पक्ष को पकड़े रहते हैं कि लगता है सावित्री देवी का हर भाव पाठक का निजी भाव है । अंत की पंक्तियों का भाव-सौंदर्य देखिए काश कि तुम यह हिम्मत पहले करती...नहीं ! अब मैं इस बची, अपनी बहू की खुशियों को छीनकर एक और गुनाह नहीं करना चाहता ।

इतनी सुगठित कथावस्तु और कहानी की चरमावस्था इतनी सुदृढ़, निःसंदेह कथाकार की पूरी पकड़ हर पात्र की अभिव्यंजना पर है । कहानी 'लक्ष्मी' हो या 'कर्फ्यू' हर कथानक अपने आप में सम्पूर्ण है । कहानी में न तो पात्रों की अधिकता है न ही किसी पात्र का कोई भी पक्ष कमजोर हो पड़ा है । उत्कृष्टता के साथ परिपक्व लेखन कहानीकार की साहित्यिक समृद्धता को परिलक्षित करता है । कहानी में पात्रों के चरित्र में जो निर्भीकता तथा प्रेम का मानवीय रूप दिखता है, वो लाजवाब है उदाहरणार्थ कहानी 'खुशियाँ लौट आयीं' में इतना यथार्थवादी संदेश और इतनी भाव-प्रवणता से लेखनी चली है कि पाठक वाह-वाह कर उठे ...

नहीं-नहीं मानसी ! तेरे माता पिता का इसमें कोई दोष नहीं है । सिर्फ हम दोनो अकेले ना रहे, यही सोचकर उन्होने तुझे अपने पास नहीं बुलाया । कहानी का इतना आदर्शवादी अंत करके समाज को एक यथार्थवादी संदेश भी दिया है ।

पुस्तक की भाषा शैली तो मंत्रमुग्ध करने वाली है । सौंदर्य के वर्णन का ढंग हो या वाकपटुता तथा कथावस्तु हर कहानी की बहुत सुगठित है । कथोपकथन की दृष्टि से भी हर कहानी प्रभाव छोड़ती है । जैसे काव्या की ये पंक्तियाँ ही देखिये जितने खूबसूरत उसके शब्द हैं, उतनी ही खूबसूरत और मधुर उसकी आवाज और रचना पढ़ने के अन्दाज भी है और ये दिल भी कितना जिद्दी है, जिद् तो देखो..

कई स्थानों पर पात्र की संवाद अदायगी मन को झकझोर कर रख देती है । जैसे कहानी 'नई जिंदगी में पूजा-हे भगवान यह मौसम को कया हो गया ? अचानक से इतना खराब कैसे हो गया? और..और ये...ये नवीन भी अब तक क्यों नहीं आये ? अब तक तो आ जाना चाहिए था!

इतनी सुंदर शब्द संरचना कि जिज्ञासा शुरूआत से ही कहानी में स्थान ग्रहण कर लेती है ..कि पाठक पूरी कहानी पढ़े बिना उठ नहीं सकता ।

कहानी की सम्पूर्णता उसके पात्रों की गतिशीलता से होती है । गज़ल जी की कहानियों के पात्र बहुत सहज, कोमल तथा निर्मल हैं । उदाहरणस्वरूप कहानी तुम्हारे सपने को ही लीजिए - इसमें कहानी का भाव-पक्ष,कला-पक्ष इतना माधुर्यपूर्ण है कि पाठक मुस्कुरा कर पात्रों को सोचता रह जाता है ।

जैसे - सुधा की बात को सुनते ही पूनम के चेहरे का रंग मारे शर्म के और भी खिल उठा,उसके गालों की गुलाबी रंगत और भी गुलाबी हो गयी और वो थोड़ा शरमाते हुए कहने लगी वो....वो..क्या है कि दीदी विशाल को ये रंग बहुत पसंद है ...और उन्होने कहा है कि जब मैं आऊं तो तुम यही सूट पहनना...

पूरी कहानी को पढ़ते जाने का लोभ पाठक नहीं छोड़ सकते जिज्ञासा से भरा आरम्भ और पीढ़ी के संघर्षों को व्यक्त करते हुए लेखिका जब सकारात्मक अंत करती है तो पाठक वाह-वाह कर उठते हैं ।

कहानी चाहे तुम्हारे सपने हो, या छूल हो, संवेदना से परिपूर्ण है । जिस तरह कहानी तुम्हारे सपने में लेखिका ने इतना सधा हुआ वाक्य सुसज्जित किया है, वो काबिले तारीफ है । इतनी सन्तुष्टिपूर्ण अंतिम पंक्ति देखिए राकेश ने भी पूनम के सिर पर अपना हाथ रखते हुए कहा हाँ पूनम तुम्हारे सपने हमेशा तुम्हारे ही रहेंगे। अद्भुत भाषा लालित्य से पूर्ण लेखन के कारण लेखिका का हर भाव प्रशंसनीय है । किसी भी कहानी का दृष्टिकोण एकांगी नहीं मिलता ...न ही किसी कहानी में सहृदयता की कमी लगती है।

जैसे 'छूल' कहानी में नहीं मेरी बची ..माँ तो हजार मुश्किलें सहकर भी अपने बचों को मुसीबत से बचाने सात समुंदर पार भी पहुंच जाती है, फिर आगरा तो मेरा बचपन का शहर है ।

लेखिका की कहानियाँ तात्विक रूप से भी पूरी तरह समृद्ध हैं। पात्रों की परिस्थितियों का भी भावानुकूल ढंग से चित्रण किया गया है । कहानी लिखने में इतनी परिपक्वता है कि हर कहानी का पात्र जैसे जीवित हो उठता है ...जैसे एक थी महुआ कहानी को ही लीजिए । इसमें जहाँ प्यार-दुलार है, वहीं संचेतना भी है, जहाँ संघर्ष है, वहीं रास्ता चुनने का साहस भी है । जिस तरह से महुआ ने अंतिम समय तक संघर्ष किया, अविस्मरणीय है । महुआ के वियोग में उसके पिता के भावों का जो मार्मिक विवरण किया गया है, निःसंदेह उससे यह कहानी सर्वोत्तम हो गयी है ।

अंत में मैं यही कहूँगी कि लेखिका की पुस्तक 'एक थी महुआ' अद्भुत संवाद सौष्ठव से परिपूर्ण मोहक संप्रेषणीयता, पीढ़ियों के संघर्षों तथा पीड़ा को दर्शाती हुई एक सम्पूर्ण कहानी संग्रह है, जिसमें मानवीय सरोकारों के साथ जीवन की बदलती व्यवस्था एवं प्रेम सम्बंधों के बदलते स्वरूपों का यथार्थवादी ढंग से चित्रण किया गया है । साहित्य को एक अनमोल कृति देने के लिए लेखिका को अनंत शुभकामनाएं तथा साधुवाद !

अपरा एकादशी के दिन व्रत करने से प्रसन्न होते हैं लक्ष्मी-नारायण, जानिए तिथि, महत्व

इस साल अपरा एकादशी 26 मई को मनाई जाएगी। अपरा एकादशी ज्येष्ठ महीने के कृष्ण पक्ष के ग्यारहवें दिन मनाई जाती है। इस व्रत को करने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी प्रसन्न होते है। वह भक्तों को सभी पापों से मुक्ति मिलती है। अपरा एकादशी के दिन तुलसी, चंदन, कपूर और गंगाजल ने देवी-

देवताओं की पूजा करनी चाहिए। मान्यता है कि इस व्रत को रखने से मनुष्य को मृत्यु के बाद मौक्ष की प्राप्ति होती है। इस बार अपरा एकादशी के दिन रात्रि 10 बजकर 14 मिनट तक आयुष्मान योग रहेगा। इस योग को बेहद शुभ माना गया है।

अपरा एकादशी का महत्व

पौराणिक कथाओं के अनुसार अपरा एकादशी के व्रत से ब्रह्मा हत्या, भूत योनि और अन्य पाप दूर हो जाते हैं। मान्यता है कि एकादशी व्रत का पालन करने से जातकों को पापों से छुटकारा मिलता है। जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्त हो जाते हैं। कार्तिक माह में पवित्र नदी में स्नान करने से अपरा एकादशी व्रत समान लाभ मिलता है।

अपरा एकादशी के दिन व्रत करने से प्रसन्न होते हैं लक्ष्मी-नारायण, जानिए तिथि, महत्व और पूजन विधि

मान्यताओं के अनुसार अपरा एकादशी के व्रत में जातकों को दशमी के दिन शाम में सूर्यास्त के बाद भोजन नहीं करना चाहिए।

अपरा एकादशी व्रत की पूजन विधि

1. अपरा एकादशी के दिन गंगा नदी में स्नान करें। अगर ऐसा संभव नहीं है तो घर पर ही बाल्टी में गंगा जल की कुछ बूंदें मिलाकर नहाले।

2. नहाने के बाद साफ कपड़े पहनें।

3. अब भगवान के सामने घी या तेल का दीपक जलाएं।

4. भगवान विष्णु का आह्वान करें। उनके प्रार्थना करें और पूजा शुरू करने से पहले उनका आशीर्वाद लें।

5. भगवान श्रीहरि को जल, पुष्प, इत्र, दीपक, धूप और नैवेध अर्पित करते हुए ओम नमो भगवते वासुदेवाय का जाप करें।

6. अब चंदन, कुमकुम, हल्दी, अक्षत, पान, सुपारी, 5 प्रकार के फल चढ़ाएं।

7. अपरा एकादशी व्रत कथा या विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।

8. शाम को तेल का दीपक, अगरबत्ती जलाएं और भगवान से प्रार्थना करें।

9. भगवान विष्णु के नाम पर आरती कर पूजा का समापन करें।

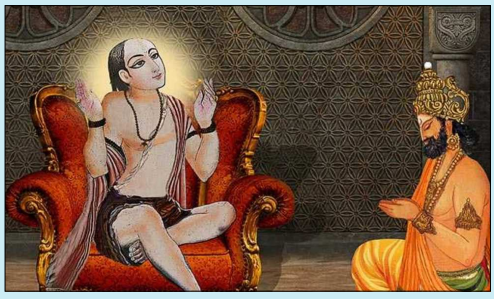

जब अष्टावक्र ने बताया शरीर से नहीं ज्ञान से होता है व्यक्ति महान

बालक अष्टावक्र ने अपने मित्रों के साथ खेलकर घर लौटने पर अपनी माता से पूछा, हे माता! मेरे पिताजी कहां है? वह बोली, पुत्र तुम्हारे पिता राजा जनक की सभा में विद्वानों के साथ शास्त्रार्थ करने के लिए गए थे, किंतु अभी तक नहीं लौटे हैं। मैं भी चिंता से व्याकुल हूं। यह सुनकर अष्टावक्र ने कहा, हे माता! चिंता मत करो मैं कल सुबह ही राजसभा में जाकर पता लगाऊंगा क्या बात है? माता बोली, तुम बालक हो, राजसभा में तुम्हारा प्रवेश आसान नहीं है। वहां तुम्हारा उपहास भी हो सकता है, क्योंकि तुम्हारा शरीर आठ जगह से टेढ़ा-मेढ़ा है। अष्टावक्र बोला, मां डरो मत, मैं अपने पिता के साथ जल्द वापस आऊंगा।

यह कहकर अष्टावक्र ने राजसभा के लिए प्रस्थान किया। उसके टेढ़े शरीर को देखकर सभा में उपस्थित विद्वान ठहाके लगाकर हंसने लगे कि यह बालक भी हमारे साथ शास्त्रार्थ करेगा? उन विद्वानों की हरकत देखकर अष्टावक्र भी हंसने लगा।

उसको हंसता देखकर सभा में उपस्थित सभी विद्वान आश्चर्य में पड़ गए। राजा ने अष्टावक्र से हंसने का कारण पूछा। अष्टावक्र ने कहा हे राजन! मैंने सुना है कि आपकी राजसभा विद्वानों के द्वारा सुशोभित है किंतु ये तो झूठे, ज्ञान के घमंड में चूर है। मैं इन विद्वानों को देखकर हंस रहा हूं।

वह फिर बोला, हे राजन! निश्चय ही मैं पूछता हूं कि हड्डी, रक्त मांस और चमड़ी से लपटे हुए शरीर में देखने लायक क्या है। आप बताए क्या टेढ़े शरीर में आत्मा भी टेढ़ी होती है? यदि नदी टेढ़ी है तो क्या उसका पानी भी टेढ़ा होता है? राजा जनक अष्टावक्र के वचनों से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने बालक अष्टावक्र को अपना गुरु मानते हुए तत्वज्ञान प्राप्त किया।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

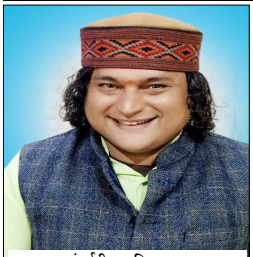

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष - कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। पिता को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं, माता का सहयोग मिलेगा। माता से धन प्राप्ती के योग हो सकते हैं, किसी मित्र का आगमन हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से धनार्जन होगा, नौकरी में स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही है। परिवार के संग किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है, खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृष - धैर्यशीलता में कमी रहेगी, आत्म संयत रहें, शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकता है। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार विस्तार होगा, लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन की संभावना बन रही है, मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन - आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, किसी मित्र के सहयोग से संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धनार्जन हो सकता है। कला व संगीत में रुचि बढ़ेगी, वस्त्रों पर खर्चा बढ़ेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि संभव है, परिश्रम की अधिकता रहेगी, खर्चों में वृद्धि होगी।

कर्क - अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धनलाभ हो सकता है, परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। भाइयों का सहयोग मिलेगा। किसी रुके हुए धन की प्राप्ती हो सकती है, नाकरी में अफसरों का सहयोग बना रहेगा। स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही हैं।

सिंह - मन में निराशा व असंतोष के भाव रहेंगे, आत्म विश्वास में कमी रहेगा। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है। माता का सहयोग मिलेगा, खर्चों में वृद्धि होगी। वाहन के रख-रखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। शैक्षिक कार्यों के सुख परिणाम मिलेंगे। मीठे खान-पान में रुचि बढ़ेगी, अफसरों मतभेद हो सकते हैं, परिवर्तन भी संभावित है।

कन्या - कारोबार के विस्तार की योजना साकार होगी, भाइयों का सहयोग मिलेगा लेकिन परिश्रम की अधिकता रहेगी। घर-परिवार में मांगलिक कार्य होंगे, अनियोजित खर्चे बढ़ेंगे। वस्त्रादि उपहार भी मिल सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। माता का सानिंध्य मिलेगा, वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। नौकीर में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

तुला - वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। माता से विचारों में मतभेद हो सकते हैं लेकिन धन प्राप्ती भी है। संचित धन में वृद्धि होगी, नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, वाहन सुख में वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन संभव है।

वृश्चिक - आत्म विश्वास से लबरेज रहेंगे, लेकिन आत्म संयत रहें। आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, परिश्रम की अधिकता रहेगी। माता का सानिंध्य व सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि की संभावना है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की संभावना बन रही है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

धनु - आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य विकार हो सकता है, चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन की संभावना बन रही है, किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। भाइयों के सहयोग से परंतु परिश्रम की अधिकता रहेगी। संतान के स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं, रहन-सहन असुविधापूर्ण रहेगा।

मकर - धैर्यशीलता में कमी आएगी, आत्म संयत रहें। वाणी का प्रभाव बढ़ेगा, किसी धार्मिक सत्संगी कार्यक्रम में जाना हो सकता है। रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, तरक्की के योग बन रहे हैं। आय में वृद्धि होगी लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावनाएं बन रही हैं।

कुंभ - मन में प्रसन्नता के भाव तो रहेंगे, फिर भी आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें, माता से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। नौकरी में किसी दूसरे स्थान पर जाना हो सकता है, आय में वृद्धि होगी। रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है। माता को स्वास्थ्य विकार हो सकता है, रहन-सहन कष्टकायी हो सकता है।

मीन - आत्मविश्वास में कमी रहेगी लेकिन परिवार का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है। किसी पुराने मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। इच्छा विरुद्ध कार्यक्षेत्र में वृद्धि संभव है। बातचीत में संयत रहें, खर्चों में वृद्धि होगी। वस्त्रादि उपहार स्वरूप प्राप्त हो सकते हैं।

संस्कारः जीवन के आभूषण

जीवन तो इस धरा पर जीव-जंतु,पशु- पक्षियों आदि सभी में होता है,लेकिन सिर्फ जीवित होने में ओर एक सुसंस्कारीत जीवन व्यतीत करने में बहुत फ़र्क़ होता है। मनुष्य जन्म से असंस्कृत होता है । संस्कारों के माध्यम से वह सुसंस्कृत हो जाता है और यही सबसे बड़ा फर्क है मानव और पशु पक्षियों में। मनुष्य एक संस्कारित जीवन व्यतीत करता है, सामाजिक बंधनों एवं मर्यादाओं में रहकर आगे बढ़ता है! अपितु पशुओं के साथ ऐसा कोई नियम लागू नहीं होता है। भारतीय संस्कृति की एक सबसे बड़ी देन संस्कार भी है ।

डॉ.योगिता जोशी अनुप्रिया

संस्कार का हमारे सबके जीवन में बहुत महत्व है । साधु संतों ने संस्कारों को जीवन का आभूषण कहा है । जो व्यक्ति सुसंस्कृत होता है उसका समाज में मूल्य तथा सम्मान बढ़ जाता है । प्रकृति की छोटी से छोटी एवं बड़ी से बड़ी वस्तु को उपयोग में लाने के लिए भी संस्कारों की आवश्यकता होती है । हमारी आने वाली पीढ़ी को संस्कारित करना आज हम सभी का कर्तव्य है । बच्चों के बाल मन पर अनायास ही अपने माता-पिता या बड़े बुजुर्गों के कर्म एवं वाणी का बहुत प्रभाव पड़ता है । बच्चे जो कुछ भी देखते हैं ,सुनते हैं वही आगे चलकर उनके संस्कार बनते हैं । बड़े यदि अच्छा आचरण करते हैं ,अपनों से बड़ों का आदर करते हैं ,घर आए मेहमानों का सत्कार करते हैं ,सत्संग ,ध्यान आदि करते हैं तो निश्चय ही बच्चे भी आगे चलकर इन परंपराओं को आगे बढ़ाएंगे। बालकपन में ही जो नींव डल जाती है आगे उसके भविष्य की इमारत भी उसी के ऊपर निर्भर करती है । अर्थात बालक का जीवन उसी अनुरूप बन जाता है ।

इतिहास गवाह है कि वीर बालक भरत अपनी माता शकुंतला के कारण ही महान वीर बना एवं आगे जाकर एक महान सम्राट बना। हमारे देश का नाम भी सम्राट भरत से ही पड़ा है । जीजाबाई के कारण ही शिवाजी जैसे देशभक्त हुए । ध्रुव अपनी माताजी के संस्कारों एवं प्रेरणा से ही अमर हुए हैं।

उपर्युक्त उदाहरणों से एक बात और स्पष्ट होती है कि बालकों में अच्छे संस्कार डालना माताओं का परम एवं पहला कर्तव्य है । माताएँ अपने बच्चों की पहली गुरु होती हैं । संस्कारों के कारण मानव में दैविय गुण उत्पन्न होते हैं । सभी महापुरुषों,संत,महात्माओं का जीवन निर्माण भी संस्कारों का ही परिणाम है । जिसके जितने अच्छे संस्कार होंगे उसका चरित्र भी उतना ही अच्छा होगा। बुरे संस्कारों का व्यक्ति हीन चरित्र वाला बन जाता है।

हिंदू धर्म में जन्म से मृत्यु तक कुल 16 संस्कार बताए गए हैं , जिनमें से कुछ तो बच्चे के जन्म से पहले ही किए जाते हैं । यह सोलह संस्कार क्रमश इस प्रकार होते हैं ;गर्भधान संस्कार,पुंसवन संस्कार, सीमन्तोन्नयन संस्कार,जातकर्म संस्कार ,नामकरण संस्कार,निष्क्रमण संस्कार, अन्नप्राशन संस्कार, चूड़ाकर्म संस्कार,कर्णवेध संस्कार, विद्यारंभ संस्कार ,उपनयन संस्कार,वेदारंभ संस्कार,केशांत या गोदान संस्कार, समावर्तन संस्कार,विवाह संस्कार और अंत में अंत्येष्टि संस्कार । आज यदि हम अच्छे कर्म करेंगे ,अच्छे विचार रखेंगे, सत्संग करेंगे तो हमारे आने वाली पुश्तें संस्कारित होंगी एवं युवा पीढ़ी में बढ़ते हुए बुरे संस्कारों को रोकने की दिशा में यह एक प्रभावी कदम हो सकता है।

संगति का असर

राम श्याम दो भाई थे । दोनों एक ही विद्यालय में पढ़ा करते थे और यहां तक कि एक ही कक्षा में । किंतु राम पढ़ने में होनहार था , वही उसका भाई श्याम पढ़ने से बचता था और ना पढ़ने के ढेरों बहाने ढूंढता था। राम के दोस्त पढ़ने वाले थे और श्याम के दोस्त ना पढ़ने वाले और काम चोरी करने वाले थे।

राम अपने भाई श्याम को उन दोस्तों से बचने के लिए कहा करता । मगर श्याम उसे डांट लगा देता और कहता अपने काम से काम रखा करो। श्याम के दोस्त घर से स्कूल जाने के लिए निकलते और रास्ते में कहीं और चले जाते। कभी पार्क में बैठते, कभी जाकर कहीं खाना-पीना करते और कभी फिल्म देखा करते थे। श्याम भी उनकी संगति में आ गया और वह भी धीरे-धीरे स्कूल जाने से बचता रहता। श्याम भी उन दोस्तों के साथ बाहर में खाना - पीना और घूमना करता। राम उसके इस प्रकार की धोखाधड़ी से बहुत चिंतित था। श्याम से परीक्षा में फेल होने की बात भी कही मगर श्याम ने नहीं माना।

प्रभाती लाल सैनी

एक दिन की बात है श्याम स्कूल जा रहा था । उसके दोस्त मिल गए और उन्होंने कहा आज स्कूल नहीं जाना है। हम सभी अपने दोस्त हरि का जन्म दिवस मनाएंगे और बाहर खाना - पीना करेंगे और खूब मजे करेंगे। पहले तो श्याम ने मना किया किंतु दोस्तों के बार-बार बोलने पर वह उनके साथ चला गया। श्याम और उसके मित्रों ने खूब पार्टी करी और उस दिन स्कूल नहीं गये। इस प्रकार का काम वह और उसके दोस्त निरंतर करते रहते।

परीक्षा हुई जिसमें श्याम और उसके दोस्त सफल नहीं हो पाए वह फेल हो गए। राम ने इस बार भी और बार की तरह प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्याम अपने घर मार्कशीट लेकर गया जिस पर उसके माता-पिता ने देखा और बहुत उदास हुए। उन्हें उदासी हुई कि एक मेरा बेटा इतना अच्छा पढ़ने में है और दूसरा इतना नालायक। श्याम किसी भी विषय में पास नहीं हो पाया। श्याम के माता-पिता को बहुत दुखी हुई उन्होंने किसी से कुछ नहीं कहा मगर अंदर ही अंदर वह बहुत दुखी होते रहे।

उन्होंने सोचा कि अब मैं दूसरे लोगों को क्या बताऊंगा कि मेरा बेटा एक भी विषय में पास नहीं हो पाया। इस प्रकार माँ-पिताजी को श्याम ने बहुत चिंतित व दुखी देखा जिस पर उसे भी दुख हुआ। श्याम ने अपने मां-बाप को भरोसा दिलाया कि वह अगली परीक्षा में सफल होकर दिखायेगा।

श्याम ने अपने उन सब दोस्तों को छोड़ दिया जिन्होंने उसकी सफलता में उसका मार्ग रोका था। उन सभी छल और कपट करने वाले दोस्तों को छोड़कर अपनी पढ़ाई में ध्यान लगाया। नतीजा यह हुआ कि साल भर की मेहनत से वह परीक्षा में सफल ही नहीं अपितु विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इस पर उसके माता - पिता को बहुत खुशी हुई है और अपने पुत्र श्याम को गले से लगाया उन्हें शाबाशी दी। श्याम को पता चल गया था कि जैसी संगति मिलेगी वैसा ही परिणा मिलेगा।

भाई आप इस छोटे के सर का ताज हो

मेरे हर सुख , हर दुःख
में बस आपका साथ हो,
भाई आप इस छोटे के सर
का ताज हो
मेरी सब खुशियों का बस
आप ही राज हो,
भाई आप ही तो इस छोटे
की लाज हो
दिखते तो पत्थर की
तरह थोड़े कठोर हो,
मुझ पर कोई मुसीबत आने
पर मोम की तरह पिघलते हो
ना जाने कैसे बिना बताये
मेरी हर मन की बात जान लेते हो,
इस छोटे की हर परेशानी
को अपना मान लेते हो
मेरे हर सुख , हर दुःख
में बस आपका साथ हो,
भाई आप इस
छोटे के सर
का ताज हो !

विकास कुमार
उज्जैनियां ,महाराष्ट्र

स्टार फाउंडेशन ने की पक्षी परींडा अभियान की शुरुआत

जयपुर (संस्कार सृजन) चौमूं के ग्राम उदयपुरिया में श्री परशुराम मंदिर महंत भगवान पुरी जी महाराज के सानिध्य में मंदिर प्रांगण में बेजुबान पक्षियों के लिए परींडा लगाकर अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में स्टार फाउंडेशन की फाउंडर रुक्षमणी कुमारी ने कहा की बेजुबानों का इस भीषण गर्मी में ख्याल रखना हमारा कर्तव्य है । इस दौरान अजीज खान, शिवरतन शर्मा ,रविन्द्र बुनकर, श्रवण कुमार गुज्जर, संजय सोंकरिया ,कमलेश यादव, गोविंद नागर, नीर हरिजन, शहजाद खान, लोकेश नागर, आशुतोष शर्मा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

मुख्यमंत्री का किसान हित में महत्वपूर्ण निर्णय

प्रदेश में सिंचाई ढांचा मजबूत करने के लिए किसानों को 894 करोड़ रूपये का अनुदान

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में सिंचाई के ढांचे को मजबूत करने के लिए बजट 2022-23 में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं। गहलोत ने इन घोषणाओं को धरातल पर उतारकर किसानों को मजबूती प्रदान करने वाले विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इससे प्रदेश के किसानों को डिग्गी, फार्म पौंड निर्माण और सिंचाई पाइप लाइन के लिए 894 करोड़ रूपये का अनुदान मिलेगा।

लघु एवं सीमांत कृषकों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान

मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी देने से अब फार्म पौंड, डिग्गी निर्माण एवं सिंचाई पाइप लाइन योजनाओं में लघु एवं सीमांत कृषकों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान भी मिलेगा। साथ ही योजनाओं में न्यूनतम 40 प्रतिशत लघु एवं सीमांत कृषकों को लाभान्वित किया जाएगा। आगामी 3 वर्षों में 15 हजार किसानों को डिग्गी निर्माण के लिए 450 करोड़ रूपये का अनुदान उपलब्ध करवाया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 5 हजार किसानों को निर्माण के लिए 150 करोड़ रूपये का अनुदान मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना से दिया जाएगा।

तारे जमीं पर सारे स्टेज पर 30 दिवसीय बाल नाट्य कार्यशाला का जयपुर में हुआ आग़ाज़

जयपुर (संस्कार सृजन) बच्चे! जिनमें आपार संभावनाएं होती हैं किसी भी भाव को परखने की, किसी भी विचार को समझने की,लेकिन समय या परिस्थितियों के अभाव में वह अपनी भावनाएं प्रकट नहीं कर पाते । बच्चों की जिज्ञासाएं आज के समय में मोबाइल फोन तक सीमित होकर रह गयी हैं ।

ऐसे में उन्हें एक ऐसे मंच की ज़रूरत है जहां वह खुले दिल से अपने व्यक्तित्व का विकास कर सके । वह अपनी सोच सकारात्मक कर सकें तथा रंगमंच की विभिन्न विधाओं के साथ जुड़कर स्वयं को अनुशासित कर सकें । रंगमंच के माध्यम से एक ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकें

जो अपने घर , समाज, और राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें सकें । क्योंकि रंगमंच केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं बल्कि सशक्त जन आंदोलन का प्रतीक भी है । इसी उद्देश्य की ओर अग्रसर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्था ताम्हणकर थियेटर अकादमी जयपुर ने आज रंग कार्यशाला तारे जमीं पर - सारे स्टेज पर का शुभारंभ रेज़ आशा की एक किरण होम में किया गया ।

कार्यशाला का दीप प्रज्वलन ओमैन्द्र मीणा, निर्मला सेवानी, कैप्टन गुरिंदर विर्क , राजू ताम्हणकर , पूनम खंगारोत एवं रश्मि कुच्छल द्वारा किया गया । 15 जून तक चलने वाली इस कार्यशाला में रंगमंच की बारिकियों के साथ - साथ म्यूज़िकल एक्सरसाइज़, योग, मार्शल आर्ट, फिल्म निर्माण प्रक्रिया जैसे विषयों पर भी विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रारब्ध प्रबल है

जीवन पथ पर कुछ खो जाने पर
मानव हो जाता अधिक विकल है
सबल -निबल नहीं है मानव
बस केवल प्रारब्ध प्रबल है

नीयत तय करती है नियति
क्या खोना और क्या पाना है
एक सत्य सास्वत है जग में
रोते आए हैं रोते जाना है
बड़ी बात को समझे नहीं मानव
विधाता ने दी तो बड़ी अकल है
सबल -निबल नहीं है मानव
बस केवल प्रारब्ध प्रबल है

भाग्य कर्म से आगे है अब
जो चाहेगा वह दे देगा
लेकिन निश्चित नहीं है ये के
देने के बदले क्या ले लेगा
वक़्त के कठिन थपेड़ों के आगे
जीवन जीना अब कहाँ सरल है
सबल -निबल नहीं है मानव
बस केवल प्रारब्ध प्रबल है

हैसियत बढ़ने पर इतराना
महज मूर्खता है जीवन में
क्या देख सका है मानव
कितना सुकून है संयम में
गर संयम को अपना ले तो
जीवन का हर पल उत्कल है
सबल -निबल नहीं है मानव
बस केवल प्रारब्ध प्रबल है

सिद्धार्थ गोरखपुरी

फिल्म अभिनेता मोहन सैनी ने किया वरिष्ठ निर्देशक अशोक राही का सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन) रंगकर्मी और फिल्म अभिनेता मोहन सैनी ने वरिष्ठ रंगकर्मी, लेखक और निर्देशक अशोक राही का साफा और दुपट्टा पहना कर सम्मान किया । जानकारी के लिए आपको बता दें कि जवाहर कला केंद्र में नाटक बनफूल की बत्ती गुल के मंचन के दौरान ही सम्मान का कार्यक्रम आयोजित हुआ । इस दौरान नाटक बनफूल की बत्ती गुल के सभी कलाकार और दर्शकगण मौजूद रहे ।

एमवीएस फाउंडेशन ने किया राजस्थान महिला हॉकी टीम की कप्तान मनीषा बागड़ा का स्वागत

जयपुर (संस्कार सृजन) चौमूं बस स्टैंड स्थित नगरपालिका के सामने एमवीएस फाउंडेशन ट्रस्ट कार्यकर्ताओं द्वारा चौमूं की बेटी मनीषा बागड़ा को राजस्थान महिला हॉकी टीम की कप्तान बनने पर दुपट्टा एवं पुष्प माला भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया । एमवीएस फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी ने मनीषा बागड़ा को राजस्थान टीम हॉकी टीम की कप्तान बनने पर बधाई एवं शुभकामना देते हुए कहा कि मनीषा बागड़ा ने चौमूं क्षेत्र के साथ-साथ राजस्थान का नाम रोशन किया है और ऐसे अवसर पर देश की गौरवशाली बेटियों का मान-सम्मान जरूरी है । देश की बेटियों को आगे आकर क्षेत्र एवं देश का नाम रोशन करना चाहिए । देश की नारी देश का सम्मान है । कप्तान मनीषा

बागड़ा ने स्वागत कार्यक्रम के लिए एमवीएस फाउंडेशन ट्रस्ट कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि राजस्थान की बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे आना चाहिए और प्रदेश एवं क्षेत्र का नाम रोशन करना चाहिए ।

इस दौरान एमवीएस फाउंडेशन ट्रस्ट उपाध्यक्ष रामकिशोर सैनी, हिंदू रक्षक दल के राजेश गोरा, पूर्व पार्षद कुंदन सिंह शेखावत, आदित्य सैनी, गणेश सैनी, विनोद कुमार सैनी, घनश्याम गुलिया, मोनू शर्मा आदि लोग मौजूद रहे ।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का मरीजों ने उठाया भरपूर लाभ

जयपुर (संस्कार सृजन) शंकरा आई हॉस्पिटल, जिला अंधता निवारण समिति जयपुर और लायंस क्लब जयपुर भगवती डिवाइन के द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद जांच और नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया । कार्यक्रम संयोजक लायन रमेश गुप्ता ने बताया कि जयपुर के राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय कठपुतली नगर में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया गया । शिविर में करीब 120 से अधिक मरीजों की मोतियाबिंद की जांच की गई और 5 मरीजों की आंखों का ऑपरेशन किया गया । इस दौरान लायंस क्लब अध्यक्ष लायन राकेश जैन, सचिव लायन आशीष सोमानी, कोषाध्यक्ष लायन अवध अग्रवाल, सहयोगी डॉक्टर ओपी टांक ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

सर्व जातीय सामूहिक विवाह समारोह धूमधाम से हुआ संपन्न

चौमूं (संस्कार सृजन) सेवा भारती समिति के द्वारा सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह धूमधाम से संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम विनायक पूजन के पश्चात बारात खंडेलवाल धर्मशाला से प्रातः 9 बजे पाँच समाजों के पाँच वर बैंड बाजे और लवाजमा के साथ गढ़ गणेश मंदिर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, लक्ष्मीनाथ जी चौक, चौपड़ से होते हुए बालिका आदर्श विद्या मंदिर, केशव नगर स्थित विवाह स्थल पर प्रातः 11:00 बजे पहुंची। बारात के मार्ग मे जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए व पुष्प वर्षा की गई।

लोगों ने आतिशबाजी भी की। इसके पश्चात तोरण का कार्यक्रम हुआ, तोरण के पश्चात वर वधू का स्टेज पर फोटो सेशन एवं आशीर्वाद का कार्यक्रम हुआ। आशीर्वचन के लिए जगतगुरु अवध बिहारी देवाचार्य वीर हनुमान धाम सामोद, नरसिंह पुरी महाराज उदयपुरिया, मानदास स्वामी महाराज, बंशीधर कुलदीप महाराज उपस्थित रहे। इसके पश्चात दोपहर 1:15 बजे फेरों का कार्यक्रम हुआ जिसमें आचार्य पंडित महेश

शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार से फेरे करवाए । सेवा भारती के आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने वर वधु को आशीर्वाद दिया तथा विदा किया। कार्यक्रम में सेवा भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मूलचंद सोनी ने संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा समाज में ऐसे आयोजन समाज को एकता के सूत्र में बांधने के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम में सेवा भारती के प्रांत संगठन मंत्री द्वारका प्रसाद, विभाग मंत्री मदन कुमावत, जिला मंत्री कानाराम प्रजापत, जिला अध्यक्ष नंदकिशोर कूलवाल, संयोजक धर्मेंद्र शर्मा के अतिरिक्त सेवा भारती के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे । इसके साथ ही आयोजन समिति के कार्यकर्ता अटल मेठी प्रबंध संयोजक एवं बीना खुटेटा महिला संयोजक ने कार्यक्रम को व्यवस्थित किया। कार्यक्रम में विधायक रामलाल शर्मा, चेयरमैन विष्णु सैनी, पूर्व चेयरमैन आशीष दुसाद, छुट्टन यादव, सुरेश विजयवर्गीय, अभिषेक सैनी, शंकर गोरा, राजकुमार शर्मा, संदीप शर्मा पार्षद, मुकेश सिद्ध पार्षद, धीरेंद्र सैनी एडवोकेट, विश्वनाथ शर्मा बार एसोसिएशन अध्यक्ष, बाबूलाल यादव पार्षद, सुरेश गोदारा सहित नगर के अनेक गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या आमजन उपस्थित रहे ।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का हुआ सफलतापूर्वक आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन) अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित 4 दिवसीय 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति आमलोदा धवली में हुई। पूर्णाहुति के अवसर पर गायत्री परिवार की ओर से युग निर्माण के लिए समस्त स्तरों पर कार्य कर घर घर अलख जगाने का संकल्प दिलाया गया। महायज्ञ के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड पड़ी। सत्कार्य करने वाले भामाशाहों, अंशदान एवं समय दान करने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान

सत्कार किया गया। समापन अवसर पर शाहपुरा विधायक आलोक बेनीवाल ने गायत्री परिवार के इस प्रकार के कार्यों की सराहना की। वहीं भाजपा युवा नेता शंकर गौरा ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। कुंडा धाम महाराज प्रहलाद दास जी ने भी आशीर्वचन दिया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालु ने प्रसादी के साथ कलश प्राप्त किए। वरिष्ठ परिजन थाना राम जाट ने यज्ञ की समस्त जानकारी प्रदान की। ग्यारसी लाल जांगिड़, अजय कुमार सैनी, कालूराम जाट, सांवरमल अग्रवाल, विकास सेरावत, राम सिंह दादरवाल कानाराम रेबारी, प्रभाती लाल सामोता, रोशनलाल सामोता, सत्यनारायण, महेंद्र गढ़वाल ने आगंतुकों का स्वागत किया।

सर्व ब्राह्मण महासभा ने किया मनीषा शर्मा का अभिनंदन

जयपुर (संस्कार सृजन) सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात के तत्वावधान में प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा एवं जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान महिला हॉकी टीम कप्तान कीरत सिंह का बास (किता का बास) निवासी मनीषा शर्मा का उनके निवास पर पुष्पगुच्छ भेंट कर शॉल एवं महासभा का दुपट्टा पहना कर कर भगवान परशुराम जी की तस्वीर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि समाज की बेटी ने अपनी खेल प्रतिभा से एवं संपूर्ण विप्र समाज का नाम गौरवान्वित किया है । इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष गजानंद शर्मा, उपाध्यक्ष निखिल तिवारी, चौमूं नगर अध्यक्ष ब्रह्मदत्त मिश्रा, सीताराम शर्मा, हनुमान सहाय मेहता, लक्ष्मी नारायण शर्मा, राम नारायण शर्मा ,रजनीश शर्मा ,रोहिताश शर्मा सहित विप्र बंधु उपस्थित रहे ।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित। EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com